

Series : WX7ZY/7



SET ~ 3

रोल नं.

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--

प्रश्न-पत्र कोड
Q.P. Code

55/7/3

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

Candidates must write the Q.P. Code on the title page of the answer-book.



**भौतिक विज्ञान (सैद्धान्तिक)
PHYSICS (Theory)**



निर्धारित समय : 3 घण्टे

Time allowed : 3 hours

अधिकतम अंक : 70

Maximum Marks : 70

नोट / NOTE

#

- (I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 31 हैं।
Please check that this question paper contains 31 printed pages.
- (II) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
Q.P. Code given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- (III) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 33 प्रश्न हैं।
Please check that this question paper contains 33 questions.
- (IV) कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में यथा स्थान पर प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
Please write down the Serial Number of the question in the answer-book at the given place before attempting it.
- (V) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पब्लिक में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।
15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the candidates will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.



सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उनका पालन कीजिए :

- (i) इस प्रश्न-पत्र में 33 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- (ii) यह प्रश्न-पत्र पाँच खण्डों में विभाजित है – खण्ड क, ख, ग, घ एवं ङ।
- (iii) खण्ड क में प्रश्न संख्या 1 से 16 तक बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है।
- (iv) खण्ड ख में प्रश्न संख्या 17 से 21 तक अति लघु-उत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।
- (v) खण्ड ग में प्रश्न संख्या 22 से 28 तक लघु-उत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 3 अंकों का है।
- (vi) खण्ड घ में प्रश्न संख्या 29 तथा 30 केस अध्ययन-आधारित प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 4 अंकों का है।
- (vii) खण्ड ङ में प्रश्न संख्या 31 से 33 तक दीर्घ-उत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का है।
- (viii) प्रश्न-पत्र में समग्र विकल्प नहीं दिया गया है। यद्यपि, खण्ड क के अतिरिक्त अन्य खण्डों के कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प का चयन दिया गया है।
- (ix) ध्यान दें कि दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए एक अलग प्रश्न-पत्र है।
- (x) कैल्कुलेटर का उपयोग बर्जित है।

जहाँ आवश्यक हो, आप निम्नलिखित भौतिक नियतांकों के मानों का उपयोग कर सकते हैं :

$$c = 3 \times 10^8 \text{ m/s}$$

$$h = 6.63 \times 10^{-34} \text{ Js}$$

$$e = 1.6 \times 10^{-19} \text{ C}$$

$$\mu_0 = 4\pi \times 10^{-7} \text{ T m A}^{-1}$$

$$\epsilon_0 = 8.854 \times 10^{-12} \text{ C}^2 \text{ N}^{-1} \text{ m}^{-2}$$

$$\frac{1}{4\pi\epsilon_0} = 9 \times 10^9 \text{ N m}^2 \text{ C}^{-2}$$

$$\text{इलेक्ट्रॉन का द्रव्यमान (m_e) = } 9.1 \times 10^{-31} \text{ kg}$$

$$\text{न्यूट्रॉन का द्रव्यमान = } 1.675 \times 10^{-27} \text{ kg}$$

$$\text{प्रोटॉन का द्रव्यमान = } 1.673 \times 10^{-27} \text{ kg}$$

$$\text{आवोगाड्रो संख्या = } 6.023 \times 10^{23} \text{ प्रति ग्राम मोल}$$

$$\text{बोल्ट्जमान नियतांक = } 1.38 \times 10^{-23} \text{ JK}^{-1}$$



#

General Instructions :

Read the following instructions carefully and follow them :

- (i) This question paper contains 33 questions. All questions are compulsory.
- (ii) This question paper is divided into five sections – Sections A, B, C, D and E.
- (iii) In Section A – Questions no. 1 to 16 are Multiple Choice type questions. Each question carries 1 mark.
- (iv) In Section B – Questions no. 17 to 21 are Very Short Answer type questions. Each question carries 2 marks.
- (v) In Section C – Questions no. 22 to 28 are Short Answer type questions. Each question carries 3 marks.
- (vi) In Section D – Questions no. 29 and 30 are case study-based questions. Each question carries 4 marks.
- (vii) In Section E – Questions no. 31 to 33 are Long Answer type questions. Each question carries 5 marks.
- (viii) There is no overall choice given in the question paper. However, an internal choice has been provided in few questions in all the Sections except Section A.
- (ix) Kindly note that there is a separate question paper for Visually Impaired candidates.
- (x) Use of calculators is not allowed.

You may use the following values of physical constants wherever necessary :

$$c = 3 \times 10^8 \text{ m/s}$$

$$h = 6.63 \times 10^{-34} \text{ Js}$$

$$e = 1.6 \times 10^{-19} \text{ C}$$

$$\mu_0 = 4\pi \times 10^{-7} \text{ T m A}^{-1}$$

$$\epsilon_0 = 8.854 \times 10^{-12} \text{ C}^2 \text{ N}^{-1} \text{ m}^{-2}$$

$$\frac{1}{4\pi\epsilon_0} = 9 \times 10^9 \text{ N m}^2 \text{ C}^{-2}$$

$$\text{Mass of electron (m}_e\text{)} = 9.1 \times 10^{-31} \text{ kg}$$

$$\text{Mass of neutron} = 1.675 \times 10^{-27} \text{ kg}$$

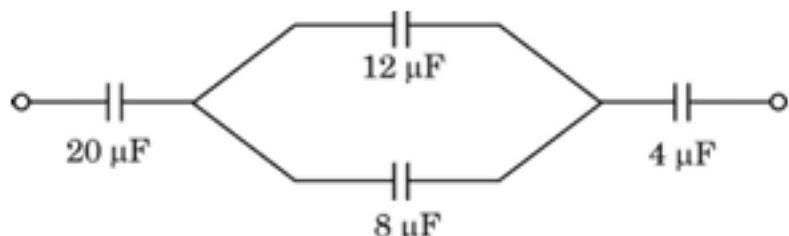
$$\text{Mass of proton} = 1.673 \times 10^{-27} \text{ kg}$$

$$\text{Avogadro's number} = 6.023 \times 10^{23} \text{ per gram mole}$$

$$\text{Boltzmann constant} = 1.38 \times 10^{-23} \text{ JK}^{-1}$$

खण्ड क

1. दर्शाए गए परिपथ में $20 \mu F$ के संधारित्र की बायीं पट्टिका पर आवेश $-50 \mu C$ है। $12 \mu F$ के संधारित्र की दाहिनी पट्टिका पर आवेश है :

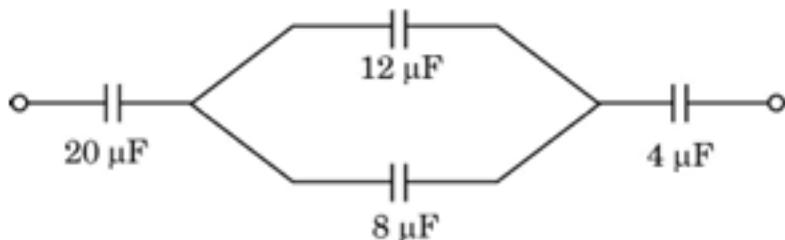




11

SECTION A

1. In the circuit shown, the charge on the left plate of $20 \mu\text{F}$ capacitor is $-50 \mu\text{C}$. The charge on the right plate of the $12 \mu\text{F}$ capacitor is :



- (A) $20 \mu\text{C}$ (B) $-20 \mu\text{C}$
 (C) $30 \mu\text{C}$ (D) $-30 \mu\text{C}$

2. Germanium crystal is doped at room temperature with a minute quantity of boron. The charge carriers in the doped semiconductors will be :
 (A) electrons only
 (B) holes only
 (C) holes and few electrons
 (D) electrons and few holes

3. A steady current I is passed through a conductor at room temperature for time t . It is observed that its temperature rises by 0.5°C . If $2I$ current is passed through the conductor (at room temperature) for the same duration, the rise in its temperature will be approximately :
 (A) 1.0°C (B) 1.5°C
 (C) 2.0°C (D) 4.0°C

4. The dimensions of 'self-inductance' are :
 (A) $[\text{M L T}^{-2} \text{ A}^{-2}]$
 (B) $[\text{M L}^2 \text{ T}^{-1} \text{ A}^{-1}]$
 (C) $[\text{M L}^{-1} \text{ T}^{-2} \text{ A}^{-2}]$
 (D) $[\text{M L}^2 \text{ T}^{-2} \text{ A}^{-2}]$

5. आइसोटोन वह न्यूक्लिड हैं :
- जिनकी समान द्रव्यमान संख्या होती है।
 - जिनका समान परमाणु क्रमांक होता है।
 - जिनमें न्यूट्रॉनों की संख्या समान होती है, परन्तु उनका परमाणु क्रमांक भिन्न होता है।
 - जिनमें न्यूट्रॉनों की संख्या भिन्न होती है, और उनकी द्रव्यमान संख्या भिन्न होती है।
6. 50 cm लम्बी किसी धातु की छड़ को ऊर्ध्वाधर रखते हुए पूर्व दिशा में 10 m/s के वेग से गति कराइ गई है। इस स्थान पर पृथ्वी के चुम्बकीय क्षेत्र का क्षेत्रिक घटक 0.4 G है। छड़ के सिरों पर प्रेरित विवाद बल (emf) है :
- | | |
|------------|------------|
| (A) 0.1 mV | (B) 0.2 mV |
| (C) 0.8 mV | (D) 1.6 mV |
7. 1.326 eV ऊर्जा के फ़ोटॉन की आवृत्ति होती है :
- | |
|--------------------------------------|
| (A) $1.18 \times 10^{14} \text{ Hz}$ |
| (B) $3.20 \times 10^{14} \text{ Hz}$ |
| (C) $4.20 \times 10^{15} \text{ Hz}$ |
| (D) $4.80 \times 10^{15} \text{ Hz}$ |
8. किसी प्रत्यावर्ती धारा को इस प्रकार व्यक्त किया गया है $I = I_0 \cos(100\pi)t$ । इस धारा द्वारा अपने अधिकतम मान से घटकर शून्य होने में लिया गया निम्नतम समय होगा :
- | | |
|-----------------------------------|-----------------------------------|
| (A) $\left(\frac{1}{200}\right)s$ | (B) $\left(\frac{1}{150}\right)s$ |
| (C) $\left(\frac{1}{100}\right)s$ | (D) $\left(\frac{1}{50}\right)s$ |
9. क्षेत्रफल A की किसी आयताकार कुण्डली को किसी एक समान चुम्बकीय क्षेत्र \vec{B} में इस प्रकार रखा गया है कि कुण्डली का तल \vec{B} से कोई कोण α बनाती है। इस कुण्डली से संबद्ध चुम्बकीय फ्लक्स है :
- | | |
|----------------------|----------------------|
| (A) $BA \sin \alpha$ | (B) $BA \cos \alpha$ |
| (C) BA | (D) शून्य |



4

5. Isotones are the nuclides having :

 - same mass numbers
 - same atomic numbers
 - same neutron number, but different atomic number
 - different neutron number, and different mass number

6. A metal rod of length 50 cm is held vertically and moved with a velocity of 10 m/s towards east. The horizontal component of the Earth's magnetic field at the place is 0.4 G. The emf induced across the ends of the rod is :

 - 0.1 mV
 - 0.2 mV
 - 0.8 mV
 - 1.6 mV

7. The frequency of a photon of energy 1.326 eV is :

 - 1.18×10^{14} Hz
 - 3.20×10^{14} Hz
 - 4.20×10^{15} Hz
 - 4.80×10^{15} Hz

8. An alternating current is given by $I = I_0 \cos(100\pi)t$. The least time the current takes to decrease from its maximum value to zero will be :

 - $\left(\frac{1}{200}\right)$ s
 - $\left(\frac{1}{150}\right)$ s
 - $\left(\frac{1}{100}\right)$ s
 - $\left(\frac{1}{50}\right)$ s

9. A rectangular coil of area A is kept in a uniform magnetic field \vec{B} such that the plane of the coil makes an angle α with \vec{B} . The magnetic flux linked with the coil is :

 - $BA \sin \alpha$
 - $BA \cos \alpha$
 - BA
 - zero

10. हाइड्रोजन परमाणु की निम्नतम अवस्था से इलेक्ट्रॉन को मुक्त कराने के लिए आवश्यक न्यूनतम ऊर्जा है :

 - (A) 3·4 eV
 - (B) 3·4 eV से कम
 - (C) 13·6 eV
 - (D) 13·6 eV और 3·4 eV के बीच

11. किसी संधारित्र और किसी प्रेरक को श्रेणीक्रम में किसी परिवर्ती आवृत्ति के ac बोल्टता स्रोत से संयोजित किया गया है। आवृत्ति में निरन्तर वृद्धि की गई है। अनुनाद से पहले और अनुनाद के पश्चात परिपथ की प्रकृति होगी :

 - (A) केवल प्रेरणिक
 - (B) केवल धारितात्मक
 - (C) क्रमशः धारितात्मक और प्रेरणिक
 - (D) क्रमशः प्रेरणिक और धारितात्मक

12. कोई p-n संधि डायोड अग्रदिशिक बायसित है। इसके परिणामस्वरूप :

 - (A) विभव प्राचीर की ऊँचाई तथा हासी स्तर की चौड़ाई दोनों घटती हैं।
 - (B) विभव प्राचीर की ऊँचाई तथा हासी स्तर की चौड़ाई दोनों बढ़ती हैं।
 - (C) विभव प्राचीर की ऊँचाई घटती है तथा हासी स्तर की चौड़ाई बढ़ती है।
 - (D) विभव प्राचीर की ऊँचाई बढ़ती है तथा हासी स्तर की चौड़ाई घटती है।

प्रश्न संख्या 13 से 16 अभिकथन (A) और कारण (R) प्रकार के प्रश्न हैं। दो कथन दिए गए हैं – जिनमें एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) द्वारा अंकित किया गया है। सही उत्तर नीचे दिए गए कोडों (A), (B), (C) और (D) में से चनकर दीजिए।

- (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, परन्तु कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

(C) अभिकथन (A) सही है, परन्तु कारण (R) गलत है।

(D) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।



11

Questions number 13 to 16 are Assertion (A) and Reason (R) type questions. Two statements are given — one labelled Assertion (A) and the other labelled Reason (R). Select the correct answer from the codes (A), (B), (C) and (D) as given below.

- (A) Both Assertion (A) and Reason (R) are true and Reason (R) is the correct explanation of the Assertion (A).
 - (B) Both Assertion (A) and Reason (R) are true, but Reason (R) is *not* the correct explanation of the Assertion (A).
 - (C) Assertion (A) is true, but Reason (R) is false.
 - (D) Both Assertion (A) and Reason (R) are false.



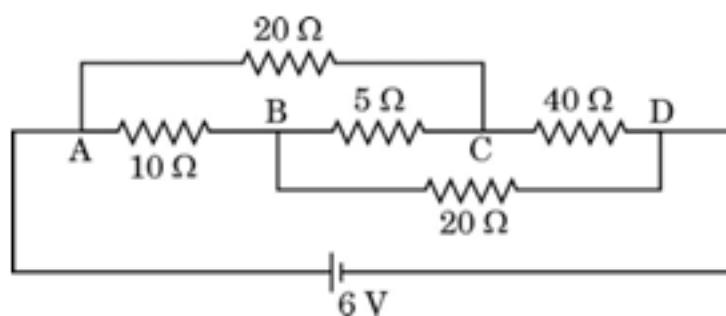
#

13. अभिकथन (A) : विद्युत-चुम्बकीय तरंगों को गमन करने के लिए माध्यम की आवश्यकता नहीं होती है।
 कारण (R) : विद्युत-चुम्बकीय तरंगें अनुप्रस्थ तरंगें होती हैं।
14. अभिकथन (A) : कोई आवेशित कण x - y तल में x -अक्ष के साथ θ कोण ($0 < \theta < \frac{\pi}{2}$) बनाते हुए वेग v से गमन कर रहा है। यदि इस प्रदेश में कण पर कोई एकसमान चुम्बकीय क्षेत्र \vec{B} , y -अक्ष के अनुदिश अनुप्रयुक्त किया गया है, तो यह कण x -अक्ष के समान्तर कुण्डलिनी पथ पर गमन करेगा।
 कारण (R) : किसी चुम्बकीय क्षेत्र में गमन करते हुए किसी आवेशित कण पर लगने वाले चुम्बकीय बल की दिशा, कण के वेग की दिशा के अनुदिश होती है।
15. अभिकथन (A) : किसी प्रकाश-विद्युत प्रयोग में ऐनोड पर अनुप्रयुक्त वह निम्नतम ऋणात्मक विभव, जो प्रकाश-विद्युत धारा को शून्य कर देता है, उसे अंतक बोलटता कहते हैं।
 कारण (R) : किसी धातु के लिए देहली आवृत्ति आपतित विकिरणों की वह निम्नतम आवृत्ति है जिससे कम आवृत्ति पर फोटोइलेक्ट्रॉनों का उत्सर्जन नहीं होता है।
16. अभिकथन (A) : कोई प्रकाश किरण किसी प्रिज्म के फलक पर अभिलम्बवत आपतित है। यदि काँच-बायु अन्तराफलक पर क्रांतिक कोण प्रिज्म कोण के बराबर है तो निर्गत किरण प्रिज्म के सम्मुख फलक के अनुदिश स्पर्श करती बाहर जाएगी।
 कारण (R) : किसी प्रिज्म का अपवर्तनांक प्रिज्म कोण पर निर्भर करता है।

खण्ड ख

17. दिए गए परिपथ आरेख में बैटरी से प्रवाहित धारा का मान परिकलित कीजिए।

2



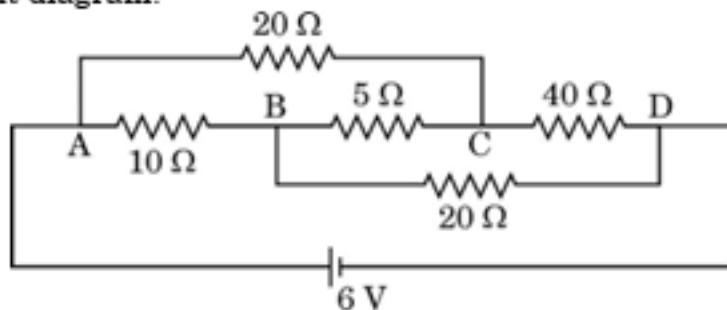


#

13. Assertion (A) : EM waves do not require a medium for their propagation.
Reason (R) : EM waves are transverse waves.
14. Assertion (A) : A charged particle is moving with velocity v in x-y plane, making an angle θ ($0 < \theta < \frac{\pi}{2}$) with x-axis. If a uniform magnetic field \vec{B} is applied in the region, along y-axis, the particle will move in a helical path with its axis parallel to x-axis.
Reason (R) : The direction of the magnetic force acting on a charged particle moving in a magnetic field is along the velocity of the particle.
15. Assertion (A) : The minimum negative potential applied to the anode in a photoelectric experiment at which photoelectric current becomes zero, is called cut-off voltage.
Reason (R) : The threshold frequency for a metal is the minimum frequency of incident radiation below which emission of photoelectrons does not take place.
16. Assertion (A) : A ray of light is incident normally on the face of a prism. The emergent ray will graze along the opposite face of the prism when the critical angle at glass-air interface is equal to the angle of the prism.
Reason (R) : The refractive index of a prism depends on angle of the prism.

SECTION B

17. Calculate the value of the current passing through the battery in the given circuit diagram. 2



18. यंग के किसी द्विशिरी प्रयोग में, पर्दे पर व्यतिकरण पैटर्न में केन्द्रीय उच्चिष्ठ की तीव्रता I_0 है। पर्दे के उस बिन्दु पर तीव्रता ज्ञात कीजिए जहाँ व्यतिकरण करती तरंगों के बीच पथान्तर $\frac{\lambda}{6}$ है। 2
19. 'निकटतम उपगमन की दूरी' की परिभाषा लिखिए। गतिज ऊर्जा K का कोई α -कण किसी गोल्ड की पतली पन्नी पर बमबारी करता है। 'निकटतम उपगमन की दूरी' के लिए व्यंजक व्युत्पन्न कीजिए। 2
20. (क) दर्पण समीकरण और आवर्धन के सूत्र का उपयोग करके, यह निगमन कीजिए कि "किसी उत्तल दर्पण द्वारा आभासी प्रतिबिम्ब सदैव ही साइज में विष्व से छोटा तथा दर्पण के ध्रुव और फोकस के बीच स्थित होता है।" 2

अथवा

- (ख) 10 cm फोकस दूरी का कोई उत्तल लेंस, 15 cm फोकस दूरी का कोई अवतल लेंस तथा अज्ञात फोकस दूरी का कोई तीसरा लेंस एक-दूसरे के सम्पर्क में समाझ रखे हैं। इस संयोजन की फोकस दूरी +12 cm है। यदि सभी लेंस पतले हैं, तो तीसरे लेंस की प्रकृति और फोकस दूरी ज्ञात कीजिए। यदि लेंस मोटे हों, तो क्या उत्तर परिवर्तित हो जाएगा ? 2
21. ताप $T > 0$ K पर n-प्रकार और p-प्रकार के अर्धचालकों के ऊर्जा बैण्ड आरेख खींचिए। इन बैण्ड से दाता/ग्राही ऊर्जा स्तर को उनकी ऊर्जा की कोटि के अन्तर के साथ दर्शाइए। 2

खण्ड ग

22. किसी उपयुक्त आरेख की सहायता से किसी p-n संधि के प्रदेश में 'हासी स्तर' और 'विभव प्राचीर' बनने की प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए। संधि डायोड की कौन-सी विशेषता इसे दिष्टकारी की भाँति उपयोग के लिए उपयुक्त बनाती है ? 3
23. कोई विद्युत क्षेत्र \vec{E} जिसे इस प्रकार व्यक्त किया गया है :

$$\vec{E} = 100 \hat{i} \frac{N}{C} \quad x > 0 \text{ के लिए}$$

$$= -100 \hat{i} \frac{N}{C} \quad x < 0 \text{ के लिए}$$

किसी प्रदेश में विद्यमान है। कोई लम्ब-वृत्तीय बेलन जिसकी लम्बाई 10 cm और त्रिज्या 2 cm है, इस प्रदेश में इस प्रकार स्थित है कि इसका अक्ष x-अक्ष के साथ संपाती है और इसके दो फलक $x = -5$ cm तथा $x = 5$ cm पर हैं। परिकलित कीजिए :

- (क) बेलन से बाहर की ओर नेट फलक्स तथा
(ख) बेलन के भीतर नेट आवेश। 3



#

18. In a Young's double-slit experiment, the intensity at the central maximum in the interference pattern on the screen is I_0 . Find the intensity at a point on the screen where the path difference between the interfering waves is $\frac{\lambda}{6}$.

2

19. Define the 'distance of closest approach'. An α -particle of kinetic energy K is bombarded on a thin gold foil. Derive an expression for the 'distance of closest approach'.

2

20. (a) Using the mirror equation and the formula of magnification, deduce that "the virtual image produced by a convex mirror is always diminished in size and is located between the pole and the focus."

2

OR

- (b) A convex lens of focal length 10 cm, a concave lens of focal length 15 cm and a third lens of unknown focal length are placed coaxially in contact. If the focal length of the combination is +12 cm, find the nature and focal length of the third lens, if all lenses are thin. Will the answer change if the lenses were thick?

2

21. Draw energy band diagrams of n-type and p-type semiconductors at temperature $T > 0$ K. Show the donor/acceptor energy levels with the order of difference of their energies from the bands.

2

SECTION C

22. Explain the process of formation of 'depletion layer' and 'potential barrier' in a p-n junction region of a diode, with the help of a suitable diagram. Which feature of junction diode makes it suitable for its use as a rectifier ?

3

23. An electric field \vec{E} given by :

$$\vec{E} = 100 \hat{i} \frac{N}{C} \quad \text{for } x > 0$$

$$= -100 \hat{i} \frac{N}{C} \quad \text{for } x < 0$$

exists in a region. A right circular cylinder of length 10 cm and radius 2 cm, is placed in the region such that its axis coincides with x-axis and its two faces are at $x = -5$ cm and $x = 5$ cm. Calculate :

- (a) the net outward flux through the cylinder, and
(b) the net charge inside the cylinder.

3

24. निम्नलिखित का कारण सहित उत्तर दीजिए : 3

- (क) फोटोइलेक्ट्रॉनों की अधिकतम गतिज ऊर्जा आपतित विकिरण की तीव्रता पर निर्भर नहीं करती है।
- (ख) आपतित विकिरण की तीव्रता में वृद्धि के साथ प्रकाश-विद्युत धारा में वृद्धि होती है।
- (ग) किसी दिए गए प्रकाश-सुग्राही पृष्ठ के लिए आपतित विकिरण की आवृत्ति V के साथ निरोधी विभव V_0 का रैखिकतः विचरण होता है।

25. (क) (i) सदिश रूप में बायो-सार्वर्ट नियम लिखिए।

- (ii) त्रिज्या R की दो सर्वसम वृत्ताकार कुण्डलियाँ A और B जिनसे क्रमशः I और $\sqrt{3} I$ धारा प्रवाहित हो रही है, क्रमशः XY और YZ तलों में संकेन्द्री रखी हैं। इन कुण्डलियों के उभयनिष्ठ केन्द्र पर नेट चुम्बकीय क्षेत्र का परिमाण और दिशा ज्ञात कीजिए। 3

अथवा

- (ख) (i) भुजाओं l और b के किसी आयताकार पाश से कोई धारा I दक्षिणावर्त प्रवाहित हो रही है। इस पाश का चुम्बकीय आधूर्ण \vec{m} लिखिए तथा एक आरेख में इसकी दिशा दर्शाइए।

- (ii) पाश किसी एकसमान चुम्बकीय क्षेत्र \vec{B} में स्थित है तथा \vec{B} के लम्बवत अक्ष के परितः घूर्णन करने के लिए स्वतंत्र है। सिद्ध कीजिए कि इस पाश पर कोई नेट बल कार्य नहीं करेगा, परन्तु इस पर कोई बल आधूर्ण $\vec{r} = \vec{m} \times \vec{B}$ कार्य करेगा। 3

26. आवृत्ति परिसर का उल्लेख करते हुए उस विद्युत-चुम्बकीय विकिरण का नाम लिखिए : 3

- (क) जिसका उपयोग अस्थियों का फ़ोटोग्राफ लेने में किया जाता है
- (ख) जो तप्त पिण्डों द्वारा उत्पन्न होती है
- (ग) जो टेलीविजन संचार प्रणाली में उपयोग होती है

27. वोल्टता $V = V_0 \sin \omega t$ का कोई ac स्रोत किसी परिपथ अवयव X से संयोजित है। प्रेक्षण करने पर यह पाया जाता है कि X से प्रवाहित धारा $I = I_0 \sin\left(\omega t - \frac{\pi}{2}\right)$ के रूप में विचरण करती है।

- (क) अवयव X को पहचानिए और इसके प्रतिघात के लिए व्यंजक लिखिए।



#

24. Answer the following, giving reasons :

3

- (a) The maximum kinetic energy of the photoelectrons is independent of the intensity of incident radiation.
- (b) Photoelectric current increases with the increase in the intensity of the incident radiation.
- (c) The stopping potential V_0 varies linearly with the frequency ν of the incident radiation for a given photosensitive surface.

25. (a) (i) Write Biot-Savart's law in vector form.

- (ii) Two identical circular coils A and B, each of radius R, carrying currents I and $\sqrt{3}I$ respectively, are placed concentrically in XY and YZ planes respectively. Find the magnitude and direction of the net magnetic field at their common centre.

3

OR

- (b) (i) A rectangular loop of sides l and b carries a current I clockwise. Write the magnetic moment \vec{m} of the loop and show its direction in a diagram.
- (ii) The loop is placed in a uniform magnetic field \vec{B} and is free to rotate about an axis which is perpendicular to \vec{B} . Prove that the loop experiences no net force, but a torque $\vec{\tau} = \vec{m} \times \vec{B}$.

3

26. Name the electromagnetic radiations and write their frequency range :

3

- (a) Used to take the photograph of the bones
- (b) Produced by hot bodies
- (c) Used in television communication systems

27. An ac source of voltage $V = V_0 \sin \omega t$ is connected to a circuit element X. It is observed that the current flowing through X varies as $I = I_0 \sin\left(\omega t - \frac{\pi}{2}\right)$.

- (a) Identify the element X and write the expression for its reactance.

- (ख) अनुप्रयुक्त बोल्टता की आवृत्ति में परिवर्तन के साथ इस अवयव के प्रतिघात के विचरण को ग्राफ खींचकर दर्शाइए।
- (ग) अनुप्रयुक्त ac के एक चक्र में समय के साथ बोल्टता और धारा के विचरण को दर्शाने के लिए ग्राफ खींचिए।

3

28. हाइड्रोजन परमाणु के बोर के सिद्धांत के तीन अभिगृहीतों को गणितीय रूप में लिखिए। इनका उपयोग करके यह सिद्ध कीजिए कि n^2 कक्षा में परिक्रमण करते किसी इलेक्ट्रॉन के लिए

(क) कक्षा की त्रिज्या n^2 के अनुक्रमानुपाती होती है तथा

(ख) परमाणु की कुल ऊर्जा $\left(\frac{1}{n^2}\right)$ के अनुक्रमानुपाती होती है।

3

खण्ड घ

प्रश्न संख्या 29 तथा 30 केस अध्ययन-आधारित प्रश्न हैं। निम्नलिखित अनुच्छेदों को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

29. किसी धात्विक चालक में तापीय गति के कारण गतिमान कोई इलेक्ट्रॉन किसी भारी स्थिर आयन से संघट्ठ करता है लेकिन संघट्ठ के पश्चात वह उसी चाल से चलता है परन्तु उसकी दिशा यादृच्छिक हो जाती है। यदि हम सभी इलेक्ट्रॉनों पर विचार करें, तो उनका औसत वेग शून्य होगा। जब कोई विद्युत क्षेत्र अनुप्रयुक्त किया जाता है, तो इलेक्ट्रॉन किसी औसत वेग से गति करते हैं, जिसे अपवाह वेग (v_d) कहते हैं। क्रमागत संघट्ठों के बीच के औसत समय को विश्रांति काल (τ) कहते हैं। प्रति एकांक विद्युत क्षेत्र के अपवाह वेग के परिमाण को गतिशीलता (μ) कहते हैं।

किसी चालक से प्रवाहित धारा के लिए किसी व्यंजक को अपवाह वेग, प्रति एकांक आयतन इलेक्ट्रॉनों की संख्या (n), इलेक्ट्रॉन आवेश ($-e$), तथा चालक के अनुप्रस्थ काट क्षेत्रफल (A) के पदों में प्राप्त किया जा सकता है। इस व्यंजक से धारा घनत्व (j) और विद्युत क्षेत्र (\vec{E}) के बीच व्यंजक प्राप्त होता है। इस प्रकार किसी धातु की प्रतिरोधकता (ρ) के लिए कोई व्यंजक प्राप्त होता है। यह व्यंजक विश्रांति काल (τ) में परिवर्तन तथा इलेक्ट्रॉनों के संख्या घनत्व (n) में परिवर्तन के पदों में किसी धातु के ताप में वृद्धि के साथ उसकी प्रतिरोधकता में वृद्धि होने को समझने में हमारी सहायता करता है।



#

- (b) Plot a graph to show the variation of reactance of the element with the frequency of the applied voltage.
- (c) Draw plots showing the variation of voltage and current with time over one cycle of applied ac.

3

28. Write the mathematical forms of three postulates of Bohr's theory of the hydrogen atom. Using them prove that, for an electron revolving in the n^{th} orbit,

(a) the radius of the orbit is proportional to n^2 , and

(b) the total energy of the atom is proportional to $\left(\frac{1}{n^2}\right)$.

3

SECTION D

Questions number 29 and 30 are case study-based questions. Read the following paragraphs and answer the questions that follow.

29. In a metallic conductor, an electron, moving due to thermal motion, suffers collisions with the heavy fixed ions but after collision, it will emerge out with the same speed but in random directions. If we consider all the electrons, their average velocity will be zero. When an electric field is applied, electrons move with an average velocity, known as drift velocity (v_d). The average time between successive collisions is known as relaxation time (τ). The magnitude of drift velocity per unit electric field is called mobility (μ).

An expression for current through the conductor can be obtained in terms of drift velocity, number of electrons per unit volume (n), electronic charge ($-e$), and the cross-sectional area (A) of the conductor. This expression leads to an expression between current density (\hat{j}) and the electric field (\vec{E}). Hence, an expression for resistivity (ρ) of a metal is obtained. This expression helps us to understand increase in resistivity of a metal with increase in its temperature, in terms of change in the relaxation time (τ) and change in the number density of electrons (n).

(i) (क) निम्नलिखित दो कारकों I और II के किसी धातु की प्रतिरोधकता में योगदान पर विचार कीजिए :

- I. इलेक्ट्रॉनों का विश्रांति काल
- II. प्रति एकांक आयतन इलेक्ट्रॉनों की संख्या

किसी धातु की प्रतिरोधकता में उसके ताप में वृद्धि होने पर वृद्धि हो जाती है क्योंकि : 1

- (A) I घटता है और II बढ़ता है।
- (B) I बढ़ता है और II लगभग नियत रहता है।
- (C) I और II दोनों बढ़ते हैं।
- (D) I घटता है और II लगभग नियत रहता है।

अथवा

(ख) किसी असमान अनुप्रस्थ काट वाले कॉपर के तार से कोई स्थायी धारा प्रवाहित हो रही है। निम्नलिखित तीन भौतिक राशियों पर विचार कीजिए :

- I. विद्युत क्षेत्र
- II. धारा घनत्व
- III. अपवाह चाल

तब तार की लम्बाई के अनुदिश विभिन्न बिन्दुओं पर : 1

- (A) II और III परिवर्तित होते हैं, परन्तु I नियत रहता है।
- (B) I और II परिवर्तित होते हैं, परन्तु III नियत रहता है।
- (C) I और III परिवर्तित होते हैं, परन्तु II नियत रहता है।
- (D) I, II और III सभी परिवर्तित होते हैं।



- (i) (a) Consider the contribution of the following two factors I and II in resistivity of a metal :

- I. Relaxation time of electrons
- II. Number of electrons per unit volume

The resistivity of a metal increases with increase in its temperature because : I

- (A) I decreases and II increases.
- (B) I increases and II is almost constant.
- (C) Both I and II increase.
- (D) I decreases and II is almost constant.

OR

- (b) A steady current flows in a copper wire of non-uniform cross-section. Consider the following three physical quantities :

- I. Electric field
- II. Current density
- III. Drift speed

Then at the different points along the wire : I

- (A) II and III change, but I is constant.
- (B) I and II change, but III is constant.
- (C) I and III change, but II is constant.
- (D) All I, II and III change.

(ii) निक्रोम का प्रतिरोध ताप गुणांक $1.70 \times 10^{-4} \text{ }^{\circ}\text{C}^{-1}$ है। निक्रोम तार के प्रतिरोध में 8.5% की वृद्धि करने के लिए तार के ताप में कितनी वृद्धि होनी चाहिए ?

1

- (A) 250°C
- (B) 500°C
- (C) 850°C
- (D) 1000°C

(iii) लम्बाई 0.5 m और अनुप्रस्थ काट क्षेत्रफल $1.0 \times 10^{-7} \text{ m}^2$ का कोई तार 2 V की किसी बैटरी से संयोजित है, जो तार में 1.5 A की धारा प्रवाहित कराए रखती है। तार के पदार्थ की चालकता ($\Omega^{-1} \text{ m}^{-1}$ में) है :

1

- (A) 2.5×10^4
- (B) 3.0×10^5
- (C) 3.75×10^6
- (D) 5.0×10^7

(iv) किसी बैटरी से श्रेणीक्रम में संयोजित समान धातु के दो बेलनाकार चालकों A और B पर विचार कीजिए। B की लम्बाई और त्रिज्या, A की दुगुनी हैं। यदि A और B में इलेक्ट्रॉनों की गतिशीलता क्रमशः μ_A और μ_B है, तो $\frac{\mu_A}{\mu_B}$ है :

1

- (A) $\frac{1}{2}$
- (B) $\frac{1}{4}$
- (C) 2
- (D) 1



#

- (ii) The temperature coefficient of resistance of nichrome is $1.70 \times 10^{-4} \text{ }^{\circ}\text{C}^{-1}$. In order to increase resistance of a nichrome wire by 8.5%, the temperature of the wire should be increased by : I
- (A) 250°C
(B) 500°C
(C) 850°C
(D) 1000°C
- (iii) A wire of length 0.5 m and cross-sectional area $1.0 \times 10^{-7} \text{ m}^2$ is connected to a battery of 2 V that maintains a current of 1.5 A in it. The conductivity of the material of the wire (in $\Omega^{-1} \text{ m}^{-1}$) is : I
- (A) 2.5×10^4
(B) 3.0×10^5
(C) 3.75×10^6
(D) 5.0×10^7
- (iv) Consider two cylindrical conductors A and B, made of the same metal connected in series to a battery. The length and the radius of B are twice that of A. If μ_A and μ_B are the mobility of electrons in A and B respectively, then $\frac{\mu_A}{\mu_B}$ is : I
- (A) $\frac{1}{2}$
(B) $\frac{1}{4}$
(C) 2
(D) 1

30. जब प्रकाश किसी प्रकाशिक सघन माध्यम से प्रकाशिक विरल माध्यम में गमन करता है, तो अन्तराफलक पर प्रकाश का कुछ भाग उसी माध्यम में वापस परावर्तित हो जाता है, और कुछ भाग दूसरे माध्यम में अपवर्तित हो जाता है। वह आपतन कोण जिसके तदनुरूप अपवर्तन कोण का मान 90° होता है, उसे दिए गए माध्यमों के युगल के लिए क्रांतिक कोण (i_c) कहते हैं। यह कोण माध्यम 2 के सापेक्ष माध्यम 1 के अपवर्तनांक से संबंधित होता है।

किसी प्रिज्म से प्रकाश के अपवर्तन में दो समतल अन्तराफलकों पर अपवर्तन सम्मिलित होता है। किसी प्रिज्म के पदार्थ के अपवर्तनांक के लिए प्रिज्म के अपवर्तन कोण तथा न्यूनतम विचलन कोण के पदों में संबंध (व्यंजक) प्राप्त किया जा सकता है। किसी पतले प्रिज्म के लिए, यह संबंध घटकर कोई सरल समीकरण रह जाता है।

प्रकाश के अपवर्तन के नियम गोलीय अन्तराफलकों से प्रकाश अपवर्तन के लिए भी वैध हैं। जब कोई बिम्ब दो माध्यमों को पृथक करने वाले किसी गोलीय पृष्ठ के सामने रखा जाता है, तो उसका प्रतिबिम्ब बनता है। बिम्ब और प्रतिबिम्ब दूरी के बीच कोई संबंध दो माध्यमों के अपवर्तनांकों और गोलीय पृष्ठ की वक्रता त्रिज्या के पदों में प्राप्त किया जा सकता है। लैंस के दो पृष्ठों के लिए इस संबंध का उपयोग करके ‘लैंस मेकर सूत्र’ प्राप्त किया जाता है।

- (i) कोई बिम्ब किसी उत्तल गोलीय काँच के पृष्ठ ($n = 1.5$ और वक्रता त्रिज्या R) के सामने $4R$ दूरी पर स्थित है। जैसे-जैसे बिम्ब धीरे-धीरे पृष्ठ के बहुत समीप तक जाता है, बनने वाला प्रतिबिम्ब :

I

- (A) सदैव वास्तविक होता है
- (B) सदैव आभासी होता है
- (C) पहले वास्तविक और फिर आभासी होता है
- (D) पहले आभासी और फिर वास्तविक होता है

- (ii) अपवर्तनांक 1.5 के काँच से बने किसी उभयोत्तल लैंस की फोकस दूरी 10 cm है। इस लैंस के प्रत्येक फलक की वक्रता त्रिज्या है :

I

- | | |
|--------------------|--------------------|
| (A) 10 cm | (B) 15 cm |
| (C) 20 cm | (D) 40 cm |



#

30. When light travels from an optically denser medium to an optically rarer medium, at the interface it is partly reflected back into the same medium and partly refracted to the second medium. The angle of incidence corresponding to an angle of refraction 90° is called the critical angle (i_c) for the given pair of media. This angle is related to the refractive index of medium 1 with respect to medium 2.

Refraction of light through a prism involves refraction at two plane interfaces. A relation for the refractive index of the material of the prism can be obtained in terms of the refracting angle of the prism and the angle of minimum deviation. For a thin prism, this relation reduces to a simple equation.

Laws of refraction are also valid for refraction of light at a spherical interface. When an object is placed in front of a spherical surface separating two media, its image is formed. A relation between object and image distance, in terms of refractive indices of two media and the radius of curvature of the spherical surface can be obtained. Using this relation for two surfaces of a lens, 'lens maker formula' is obtained.

- (i) An object is placed in front of a convex spherical glass surface ($n = 1.5$ and radius of curvature R) at a distance of $4R$ from it. As the object is moved slowly close to the surface, the image formed is : 1
- (A) always real
 - (B) always virtual
 - (C) first real and then virtual
 - (D) first virtual and then real
- (ii) A double-convex lens, made of glass of refractive index 1.5, has focal length 10 cm. The radius of curvature of its each face, is : 1
- (A) 10 cm
 - (B) 15 cm
 - (C) 20 cm
 - (D) 40 cm

- (iii) H गहराई तक पारदर्शी द्रव (अपवर्तनांक n) से भरी किसी टंकी की तली पर कोई लघु बलब स्थित है। यदि द्रव के पृष्ठ के उस वृत्ताकार क्षेत्र, जिससे बलब का प्रकाश निर्गत होता है, की त्रिज्या R है, तो $\left(\frac{R}{H}\right)$ है : I

(A) $\frac{1}{\sqrt{n^2 - 1}}$

(B) $\sqrt{n^2 - 1}$

(C) $\frac{1}{\sqrt{n^2 + 1}}$

(D) $\sqrt{n^2 + 1}$

- (iv) (क) अपवर्तन कोण 60° के किसी प्रिज्म के किसी फलक पर कोई समान्तर प्रकाश पुनर्ज्ञापन कर रहा है। न्यूनतम विचलन कोण 30° पाया गया है। प्रिज्म के पदार्थ का अपवर्तनांक है : I

(A) 1.3

(B) 1.4

(C) 1.5

(D) 1.6

अथवा

- (ख) क्राउन कॉर्न (n = 1.52) के बने किसी पतले प्रिज्म पर आपतन कर रही किसी प्रकाश की किरण के लिए न्यूनतम विचलन कोण D_m है। यदि वह प्रिज्म क्राउन कॉर्न की बजाय सधन फिल्टर कॉर्न (n = 1.62) का बना हो, तो न्यूनतम विचलन कोण : I

(A) 4% घट जाएगा

(B) 4% बढ़ जाएगा

(C) 19% घट जाएगा

(D) 19% बढ़ जाएगा



#

- (iii) A small bulb is placed at the bottom of a tank containing a transparent liquid (refractive index n) to a depth H . The radius of the circular area of the surface of liquid, through which light from the bulb can emerge out, is R . Then $\left(\frac{R}{H}\right)$ is : I

(A) $\frac{1}{\sqrt{n^2 - 1}}$

(B) $\sqrt{n^2 - 1}$

(C) $\frac{1}{\sqrt{n^2 + 1}}$

(D) $\sqrt{n^2 + 1}$

- (iv) (a) A parallel beam of light is incident on a face of a prism with refracting angle 60° . The angle of minimum deviation is found to be 30° . The refractive index of the material of the prism is close to : I

(A) 1.3

(B) 1.4

(C) 1.5

(D) 1.6

OR

- (b) The angle of minimum deviation for a ray of light incident on a thin prism, made of crown glass ($n = 1.52$) is D_m . If the prism was made of dense flint glass ($n = 1.62$) instead of crown glass, the angle of minimum deviation will : I

(A) decrease by 4%

(B) increase by 4%

(C) decrease by 19%

(D) increase by 19%

खण्ड छ

31. (क) (i) नामांकित अरेख की सहायता से किसी चल कुण्डली गैल्वेनोमीटर की कार्यविधि के सिद्धांत की व्याख्या कीजिए। इसमें (i) त्रिज्य चुम्बकीय क्षेत्र तथा (ii) नर्म लोह क्रोड का उपयोग करने का उद्देश्य लिखिए।
- (ii) किसी गैल्वेनोमीटर की धारा सुग्राहिता की परिभाषा लिखिए। “धारा सुग्राहिता में वृद्धि करने पर बोल्टता सुग्राहिता में भी वृद्धि होना आवश्यक नहीं होता है।” इसका कारण दीजिए।

5

अथवा

- (ख) (i) (I) ऐमियर के परिपथीय नियम को गणितीय रूप में लिखिए और इसमें प्रयुक्त पदों की व्याख्या कीजिए।
- (II) जैसे-जैसे किसी धारावाही परिनालिका की लम्बाई में वृद्धि होती है, उसके बाहर उत्पन्न चुम्बकीय क्षेत्र शून्य की ओर उपगमन करता है। क्यों ?
- (III) अनियमित आकृति का कोई लचीला धारावाही पाश किसी बाह्य चुम्बकीय क्षेत्र में रखे जाने पर वृत्ताकार पाश में परिवर्तित हो जाता है। कारण दीजिए।
- (ii) प्रतिरोध G के किसी गैल्वेनोमीटर को इसकी कुण्डली के श्रेणीक्रम में कोई प्रतिरोध R_1 संयोजित करके V बोल्ट तक का पाठ्यांक ले सकने वाले बोल्टमीटर में परिवर्तित किया गया है। यदि R_1 को R_2 से प्रतिस्थापित किया जाए, तो यह केवल $\frac{V}{2}$ बोल्ट तक ही माप सकता है। R_1 और R_2 के पदों में प्रतिरोध R_3 का वह मान ज्ञात कीजिए जो इस गैल्वेनोमीटर को 2 V तक की माप ले सकने योग्य बोल्टमीटर में परिवर्तित कर दे।

5



SECTION E

31. (a) (i) With the help of a labelled diagram, explain the principle of working of a moving coil galvanometer. Write the purpose of using (i) radial magnetic field, and (ii) soft iron core, in it.
- (ii) Define current sensitivity of a galvanometer. "Increasing the current sensitivity may not necessarily increase the voltage sensitivity." Give reason. 5

OR

- (b) (i) (I) Write Ampere's circuital law in mathematical form and explain the terms used.
- (II) As the current carrying solenoid is made longer, the magnetic field produced outside it approaches zero. Why ?
- (III) A flexible loop of irregular shape carrying current when located in an external magnetic field, changes to a circular shape. Give reason.
- (ii) A galvanometer of resistance G is converted into a voltmeter to measure up to V volts, by connecting a resistance R_1 in series with the coil. If R_1 is replaced by R_2 , then it can only measure up to $\frac{V}{2}$ volt. Find the value of the resistance R_3 (in terms of R_1 and R_2) needed to convert it into a voltmeter that can read up to 2 V. 5

32. (क) (i) किसी खगोलीय दूरदर्शक द्वारा अनन्त पर अंतिम प्रतिबिम्ब बनाना दर्शने के लिए एक नामांकित किरण आरेख खींचिए। इसकी आवर्धन क्षमता के लिए व्यंजक लिखिए।
- (ii) किसी संयुक्त सूक्ष्मदर्शी द्वारा उत्पन्न कुल आवर्धन 20 है। नेत्रिका द्वारा उत्पन्न आवर्धन 5 है। जब इस सूक्ष्मदर्शी को किसी लिम्ब पर फोकसित किया जाता है, तो अभिदृश्यक और नेत्रिका के बीच की दूरी 14 cm होती है। अभिदृश्यक और नेत्रिका की फोकस दूरी परिकलित कीजिए। (दिया गया है कि स्पष्ट दर्शन की न्यूनतम दूरी = 25 cm)

5

अथवा

- (ख) (i) दो कला-संबद्ध प्रकाश तरंगें, जिनमें प्रत्येक की तीव्रता I_0 है, एक-दूसरे पर अध्यारोपित होकर किसी परदे पर व्यतिकरण पैटर्न उत्पन्न करती हैं। उस बिन्दु पर जहाँ तरंगों के बीच कलान्तर ϕ है, परिणामी तीव्रता के लिए व्यंजक प्राप्त कीजिए। इसके संभावित अधिकतम और निम्नतम मान लिखिए।
- (ii) एकल डिग्री विवर्तन के किसी प्रयोग में डिग्री का द्वारक 3 mm और डिग्री और परदे के बीच की दूरी 1.5 m है। 600 nm तरंगदैर्घ्य का एकवर्ण प्रकाश इस डिग्री पर अभिलम्बवत आपतन करता है। परदे के केन्द्र से (I) प्रथम कोटि निम्नष्ठ तथा (II) द्वितीय कोटि उच्चिष्ठ की दूरी परिकलित कीजिए।

5

33. (क) (i) पट्टिका स्थेत्रफल A तथा पट्टिका पृथक्कन d के किसी समान्तर पट्टिका संधारित्र की धारिता C_0 है। इस संधारित्र की पट्टिकाओं के समान्तर मोटाई $\left(\frac{d}{4}\right)$ और स्थेत्रफल A की परावैद्युतांक K की कोई पट्टिका इस संधारित्र की पट्टिकाओं के बीच रख दी गई है। संधारित्र की नई धारिता ज्ञात कीजिए।



#

32. (a) (i) Explain with the help of a labelled ray diagram the formation of final image by an astronomical telescope at infinity. Write the expression for its magnifying power.
- (ii) The total magnification produced by a compound microscope is 20. The magnification produced by the eyepiece is 5. When the microscope is focussed on a certain object, the distance between the objective and eyepiece is observed to be 14 cm. Calculate the focal lengths of the objective and the eyepiece. (Given that the least distance of distinct vision = 25 cm)

5

OR

- (b) (i) Two coherent light waves, each of intensity I_0 superpose each other and produce interference pattern on a screen. Obtain the expression for the resultant intensity at a point where the phase difference between the waves is ϕ . Write its maximum and minimum possible values.
- (ii) In a single slit diffraction experiment, the aperture of the slit is 3 mm and the separation between the slit and the screen is 1.5 m. A monochromatic light of wavelength 600 nm is normally incident on the slit. Calculate the distance of (I) first order minimum, and (II) second order maximum, from the centre of the screen.

5

33. (a) (i) A parallel plate capacitor with plate area A and plate separation d has a capacitance C_0 . A slab of dielectric constant K having area A and thickness $\left(\frac{d}{4}\right)$ is inserted in the capacitor, parallel to the plates. Find the new value of its capacitance.

- (ii) आपको 1200 V की शक्ति आपूर्ति तथा 1 μF धारिता के संख्या में बहुत से सर्वसम संधारित्र दिए गए हैं। प्रत्येक संधारित्र में उपयोग किया गया परावैद्युत माध्यम 200 V तक ही सहन कर सकता है। इस आपूर्ति पर उपयोग करने के लिए 2 μF तुल्य धारिता का संधारित्रों का निकाय बनाने के लिए आवश्यक संधारित्रों की न्यूनतम संख्या तथा उन्हें व्यवस्थित करने का ढंग ज्ञात कीजिए।

5

अथवा

- (ख) (i) द्विघुब आघूर्ण p का कोई विद्युत द्विघुब बिन्दु आवेशों q और $-q$ जिनके बीच पृथकन 2a है, का बना है। (I) द्विघुब के अक्ष के अनुदिश तथा (II) इसकी द्विविभाजक रेखा के अनुदिश किसी बिन्दु पर, जिसकी द्विघुब के केन्द्र से दूरी x ($>> a$) है, द्विघुब आघूर्ण के पर्दों में विद्युत विभव के लिए व्यंजक व्युत्पन्न कीजिए।
- (ii) द्विघुब आघूर्ण $\vec{p} = (0.8 \hat{i} + 0.6 \hat{j}) 10^{-29} \text{ Cm}$ का कोई विद्युत द्विघुब किसी विद्युत क्षेत्र $\vec{E} = 1.0 \times 10^7 \frac{\hat{k}}{\text{m}} \frac{\text{V}}{\text{m}}$ में स्थित है। इसी क्षण पर इस पर कार्यरत बल आघूर्ण का परिमाण तथा इसके द्वारा x-अक्ष के साथ बनाया गया कोण परिकलित कीजिए।

5



- (ii) You are provided with a large number of $1 \mu\text{F}$ identical capacitors and a power supply of 1200 V. The dielectric medium used in each capacitor can withstand up to 200 V only. Find the minimum number of capacitors and their arrangement, required to build a capacitor system of equivalent capacitance of $2 \mu\text{F}$ for use with this supply. 5

OR

- (b) (i) An electric dipole of dipole moment p consists of point charges q and $-q$, separated by $2a$. Derive an expression for electric potential in terms of its dipole moment at a point at a distance x ($\gg a$) from its centre and lying (I) along its axis, and (II) along its bisector line.
- (ii) An electric dipole of dipole moment $\vec{p} = (0.8 \hat{i} + 0.6 \hat{j}) 10^{-29} \text{ Cm}$ is placed in an electric field $\vec{E} = 1.0 \times 10^7 \hat{k} \frac{\text{V}}{\text{m}}$. Calculate the magnitude of the torque acting on it and the angle it makes with the x-axis, at this instant. 5